वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 | अंक : 139 | गुरुवार 12 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 के संबंध में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया...

कारोबार की लागत और लालफीताशाही को कम करना सरकार की प्राथमिकता

राजस्थान सरकार औद्योगिक परिदृश्य को निवेशक अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर नीतिगत बदलाव कर रही है

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर में आगामी दिसंबर में आयोजित होने वाले ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 से पहले राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को मीडिया को संबोधित किया। मंत्री कर्नल राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में राज्य की जीडीपी को मौजूदा 15 लाख करोड़ रुपये से दोगुना करके 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के जरिए प्रदेश में निवेश जुटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ''इज ऑफ डूइंग बिजनेस'' के तहत व्यवसाय करने की लागत में कमी लाने और लालफीताशाही को शून्य करने का निरंतर प्रयास कर रही है ताकि उद्योग जगत को प्रदेश में काम करने में आसानी हो। ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के बारे में उद्योग और वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट राजस्थान को व्यापार के लिए सबसे अधिक अनुकूल राज्यों में से एक के रूप में प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर है और इसके लिए राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को निवेशक-अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक सुधार कर रही है। राजस्थान में पहली बार वैश्विक स्तर की इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित किया जा रहा है और इसके लिए भागीदार देशों और भागीदार अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ गठजोड़ किया जा रहा है। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि जिस स्तर पर यह ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित की जा रही है, वह सरकार की प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को दर्शाता है। सरकार द्वारा जल्द ही कई नई नीतियां शुरू की जाने वाली हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख क्षेत्र सरकार के निवेशक-अनुकूल दृष्टिकोण के अनुरूप हों। अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करने के सरकार के निर्णय पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा राज्य सरकार अपने कार्यकाल के दौरान होने वाले इस तरह के अगले शिखर सम्मेलनों से पहले इन एमओयू समझौतों को धरातल पर लागू कर सकेगी और इसकी प्रगति की निरंतर समीक्षा करती रहेगी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने हाल ही में सरकार द्वारा लिए गए एक बड़े निर्णय की भी बात की, जिसके तहत कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को विभिन्न देशों और राज्यों में रहने वाले निवेशकों के साथ समन्वय के लिए प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट (पीओसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हम इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से रोजगार सृजन और राजस्थान की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे कई एमओयू जिन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, उन पर काम इस साल दिसंबर में मुख्य सम्मेलन आयोजित होने से पहले शुरू हो जाए। हम राजस्थान में व्यापार जगत के लोगों को आमंत्रित करने के लिए विभिन्न देशों और भारत के विभिन्न शहरों में निवेशकों की बैठकें आयोजित करने जा रहे हैं। इसके अलावा, दिल्ली में हम जल्द ही इन्वेस्टर्स मीट आयोजित करने जा रहे हैं, जिसमें पहली बार हम कई देशों के राजदूतों के साथ एक राउंडटेबल आयोजित करने जा रहे हैं। हमारे पास 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 को शानदार बनाने के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति है। समिट–2024 की तैयारी हेतु मुख्यमंत्री, सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारीगण प्रदेश में निवेशकों का स्वागत करने और राज्य में उनकी निवेश परियोजनाओं की स्थापना में मदद करने के लिए कई प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक केंद्रों का दौरा कर रहे हैं। इसी सिलसिले में, उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 16 सितंबर से 20 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात और कतर का दौरा करेगा। इस दौरान, इन देशों में आयोजित इन्वेस्टर्स मीट में यह प्रतिनिधिमंडल इन दोनों पश्चिम एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के निवेशकों और व्यापारिक संगठनों को राजस्थान में निवेश करने के लिए और 'राइजिंग राजस्थान' इन्वेस्टमेंट समिट–2024 में भागीदारी के लिए आमंत्रित करेगा।

‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नजर

ह्यराइजिंग राजस्थानह्व ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है। इस इन्वेस्टमेंट समिट के पहले इन्वेस्टर मीट, जो मुंबई में 30 अगस्त को आयोजित हुआ था, के दौरान राजस्थान सरकार ने विभिन्न कंपनियों के साथ 4.5 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किये थे। इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अनय सुविधाएं मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी, इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा।

दशलक्षण महापर्व के चौथे दिन जैन मंदिरों में हुई उत्तम शौच धर्म की पूजा

भक्तिभाव से मनाया पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज द्वारा बुधवार को जैन मंदिरों में दशलक्षण महापर्व के तहत उत्तम शौच धर्म की पूजा की गई और पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया ।महापर्व पर चौथे दिन शौच धर्म के तहत समाज के लोगों ने मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, पूजा अर्चना व विधान आयोजित किए। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के सभी जैन मंदिरों में जैन श्रद्धालुओं ने सिद्ध भगवान, देव शास्त्र गुरु, पंचपरमेष्ठी, नवदेवता पूजन, चौबीसी पूजन, मूलनायक तीर्थंकर पूजन, पुष्पदंत भगवान पूजन (मोक्ष कल्याणक), निर्वाण काण्ड, सोलह कारण पूजन, पंचमेरु पूजन, दशलक्षण पूजन, स्वयंभू स्त्रोत का पाठ किया ।दीवान जी की नसियां में भोपाल से पधारी ब्रह्मचारिणी सविता दीदी व ज्योति दीदी के सानिध्य में प्रातः समस्त धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए व सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अपने प्रवचनों में ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ने बताया कि उत्तम शौच धर्म हमें सिखाता है कि शुद्ध मन से जितना मिला है, उसी में खुश रहो। परमात्मा का हमेशा शुक्रिया मानो और अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर ही परम आनंद मोक्ष को प्राप्त करना मुमकिन है ।शहर के कोतवाली रोड स्थित पदमप्रभु जैन मंदिर में भी दसलक्षण महापर्व पर दस दिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। देवीपुरा मंदिर कमेटी के मंत्री पंकज दुधवा व कोषाध्यक्ष आलोक सेठी ने बताया कि प्रथम अभिषेक व महाआरती का सौभाग्य पवन कुमार नवीन कुमार मनीष कुमार रीतेश कुमार कासलीवाल परिवार कोलीड़ा वाले को प्राप्त हुआ ।विवेक पाटोदी ने बताया कि दसलक्षण पर्व के अंतर्गत शुक्रवार को सुगंध दशमी (धूप दशमी) का त्योहार मनाया जायेगा।

पुष्पदंत भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया

टोंक. शाबाश इंडिया

त्याग, तपस्या, साधना का महापर्व दशलक्षण महापर्व के चोथे दिन श्री दिगंबर जैन नसिया में उत्तमशौच धर्म की विशेष पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात जैन धर्म के नवे तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने निर्वाण कांड बोलकर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया इस मौके पर सरल जैन एंड पार्टी ललितपुर के मधुर भजनों पर इंद्र और इंद्राणी ने भक्ति नृत्य किया इस मौके पर वषायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया, सुरेंद्र अजमेरा, ओम मोहम्मद गढ़ , शयामलाल फूलेता,धर्मेद्र,राजेश शिवाड़,अंकुर पाटनी, ओम ककोड़ नेमिचंद, ज्ञानचंद टोरडी, प्रकाश सेठी, रिंकू बोरदा, मुकेश बरवास, विकास, अनिल आदि समाज के लोगों ने निर्वाण लाडू चढ़ाया ।

दसलक्षण महामंडल विधान में 15 अर्घ्य समर्पित किए गए

इस मौके पर बालाचार्य निपूर्ण नंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य में श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन बड़े भक्ति भाव से चल रहा है ।उन्होंने ने उत्तम शौच धर्म के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि बाहर के साथ-साथ आंतरिक मन कि सफाई का होना उत्तम शौच धर्म है।यह पर्याय सोना का कमाने के लिए नहीं बल्कि स्वयं सोना कुंदन बनने के लिए मिली है।हमारे जीवन में किसी भी प्रकार का लालच नहीं करना चाहिए क्योंकि व्यक्ति जो लोभ करता है वह उस लोभ के वशीभूत होकर सामने वाले का अहित करता है।

दसलक्षण महापर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म की पूजा हुई

अभिषेक शांतिधारा व पंचामृत अभिषेक हुए, 1008 पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के सबसे बड़े पर्व दसलक्षण महापर्व के चौथे दिन भाद्रपद शुक्ल अष्टमी वार बुधवार को श्री दिगम्बर जैन मंदिर में जिनेन्द्र भगवान की शांतिधारा खेमचंद सुभाषचंद सुरेंद्र कुमार बगड़ा व सुगंधित धारा करने का सौभाग्य नेमीचंद पारसमल रौनक कुमार बगड़ा परिवार को मिला इसके पश्चात नए हॉल में नित्य पूजा पाठ व दस धर्मो की पूजा खूब भक्तिभाव पूर्वक हुई। मंत्री पारसमल बगड़ा ने बताया कि उत्तम शौच का अर्थ है कि आत्मीय अंतरंग पवित्रता आचरण में नम्रता, विचारों में निर्मलता लाना ही शौच धर्म है। समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़वाला ने बताया कि इस दौरान 1008 पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान को लाडू अर्पित किया। संध्याकालीन महाआरती के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी प्रकार श्री दिगम्बर जैन नर्सिया जी,श्री आदिनाथ बाहुबली मंदिर, पांड्या चैत्यालय,पाटनी चैत्यालय,में भी खूब धूमधाम से जिनेन्द्र भगवान की पूजा श्रद्धालुओं द्वारा की जा रही है।इस अवसर पर डॉक्टर सरोज कुमार छाबड़ा,सुरेंद्र बगड़ा,महावीर प्रसाद पाटनी,सुशील पहाड़िया,नवीन बगड़ा,विनीत बगड़ा,विमल पाटनी,हेमंत सोगानी, उषा देवी बगड़ा,गणपति देवी बगड़ा,मैना देवी पाटनी,बिमला देवी छाबड़ा,कुसुम देवी बगड़ा,संगीता पाटनी सहित काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

राग एक ऐसी चीज है जिसे कोई बुरा नहीं मानता है, ये क्रोध से भी खतरनाक है : मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

श्रावक संस्कार शिविर का हो रहा है भव्य आयोजन, क्रोधी को भी राग से जीता जा सकता है

सागर. शाबाश इंडिया

राग एक ऐसी चीज है जिसे कोई बुरा नहीं मानता क्रोध की शिकायतों तो लेकर महिलाएं बहुत आती है पुरुष भी शिकायत लेकर आतीं हैं यहां तक कि बेटा बिटिया की शिकायत लेकर आते हैं लेकिन आज तक कोई ये शिकायत लेकर नहीं आया कि ये मुझसे बहुत राग करते हैं ये मुझे बहुत चाहतें हैं चाहती है इतना राग मत करो कि तुम्हारा अगला भव ही बिगड़ जाए। राग क्रोध से भी खतरनाक है रागि व्यक्ति मरकर एक इन्द्रीय पेड़ पौधों वनकर पड़े रहते हैं राग इतना मीठा जहर है कि ये घोर घोर कर मारता है और क्रोध एक झटके में मार देता है मेरा आप लोगों से कहना है कि यदि आप अपने परिवार का भला चाहते हों तो उनसे राग को कम करो उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में 31वे श्रावक संस्कार शिविर की विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

प्रति दिन हो रही है महाआरती

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि प्रतिदिन श्रावक संस्कार शिविर में सायं काल में प्रतिदिन संगीत के साथ बाल ब्रह्मचारी विनोद भइया के मधुर भजनों के साथ महा आरती का भव्य आयोजन हो रहा है । जिसमें प्रात्रो का चयन वाल ब्रह्मचारी प्रदीप भ इया के द्वारा किया जा रहा है। आज प्रातः काल की वेला में जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा के वीज मंत्रो को परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने दिए इस दौरान शिविर निर्देशक हुकुम काका दिनेश गंगवाल शिविर पुण्याजर्क परिवार ऋषभ बांदरी को भी महा शान्ति धारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

राग का सीधा संबंध पर पदार्थ से है

उन्होंने कहा कि आज जो राग की बात आ रही है इसका सीधा संबंध पर पदार्थ से है राग में स्वार्थ था क्रोध में हम सामने वाले का नास करना चाहते हैं कर नहीं पाये ये अलग बात है सामने बाली वस्तु सुन्दर है हमें राग जाग गया आज का राग डाकू के समान है आज का लोभ चार से ऊपर सीधा डाकू होता है जव जव किसी वस्तु राग जागता है तव हम उसे जैसे वने बैसे प्राप्त करना चाहते हैं जव जव राग जागेगा आपको डाकू वनना पड़ेगा ।जैसे डाकू किसी भी घर में डाका डाल देता है वैसे ही राग किसी से भी हो सकता है मान करने में हमारा समाने वाले ने अपमान किया था राग पक्षिये है और क्रोध चेतना पदार्थ से जागता है मान ही जीव के समाने ही जानता है अचेतनो पर प्राया क्रोध नहीं आता आज की कषाय अचेतन पर भी क्रोध करने लगता है।

जिसे क्रोध से नहीं जीता जा सकता उसे राग से जीता जा सकता है

उन्होंने कहा कि जिसे क्रोध से नहीं जीता जा सकता उसे राग से जीता जा सकता है राग से प्रसंशा से जीता जा सकता है गांधार नरेश सकुनि ने राग से अपने दुश्मन कुरु वंश का नाश करा दिया महा भारत इस संदर्भ में सात गाथाये लिखी गई सारी घटना आपको ज्ञात है दुनिया में जिसे कोई नहीं हरा सकता उसे घर की फूट हरा देंगी। भाई भाई को दुश्मन वना देते हैं आज का दिन बाराह भावना की अनित्य भावना ऐसी है जो राग को कम कर सकती हैं जव भी कोई गलत मार्ग पर चलने की सलाह दे रहा हो समझ लेना ये पूर्व भव का बैरी है जो परिवार का नाश करना चाहते हैंकोई व्यक्ति तुम्हारी जिंदगी में आवे और बीच में चला जाये तो रोना मत वह तुम्हें दुःख देने आया था।

जैन धर्मावलंबियों ने की उत्तम शौच धर्म की विशेष पूजा-अर्चना

भगवान पुष्पदन्तजी जी का बनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। दिगम्बर जैन समाज के दसलक्षण पर्व के चौथे दिन उत्तम शोच धर्म की पूजा की गई। सभी जैन मन्दिरों मे अभिषेक व शांतिधारा हुई। श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय जी मे रजत कलशों से पदम प्रभु भगवान का अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य चिराग गोधा, श्रीपाल अजमेरा, राजकुमार गोधा, अतुल बड़जात्या, अंकुर अजमेरा, रजत पहाड़िया को सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि पुष्पदन्तजी भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया सभी मन्दिरों मे भगवानजी के श्री चरणों में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। सभी धर्मावलम्बियों ने अत्यंत ही प्रभावना के साथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया। श्री दिगंबर जैन पंचायत नसियाँ में पंडित अभिषेक शास्त्री ने उत्तम शौच धर्म" के बारे में कहा कि जैन दर्शन में "उत्तम शौच धर्म" का अभिप्राय शारीरिक स्वच्छता से नहीं, अपितु आत्मा की निर्मलता से है। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य धन-दौलत आदि विषयों के साथ ही भोग-विलास की वस्तुओं के प्रति आवश्यकता से अधिक आसक्त है। मनुष्य की इस प्रवृत्ति को लोभ कहते हैं। लोभी को किसी भी अवस्था में संतुष्टि नहीं मिलती। उसकी आशाओं और अपेक्षाओं का संसार कभी समाप्त नहीं होता। अपनी इसी प्रवृति के कारण लोभी अपनी संतुष्टि के लिए पाप की हर सीमा को पार कर जाता है। यही कारण है कि लोभ को "पाप का बाप" कहा गया है। लोभ रूपी मैल से मुक्ति का भाव ला आत्मा को निर्मल करना ही "उत्तम शौच धर्म" है। लोभ रूपी मैल को जो "समभाव" एवं "संतोष" रूपी जल से धोता है, वही संतोषी अर्थात शौचधर्मी कहलाता है। ऐसे संतोषी प्राणी परम सुख को प्राप्त करते हैं। इस दौरान उपस्थित साधकों ने लोभ का परित्याग कर संतोषी बनने का संकल्प लिया। शाम को सभी जिनालयों में 108 दीपक से महा आरती की गई ।उसके बाद पंचायती नसिया जी मे भक्तामर का पाठ किया गया। धार्मिक सांस्कृतिक प्रोग्राम में विद्या सागर पाठ शाला के बालक व बालिकाओं द्वारा चक्र घुमाओ मोक्षपुरी जाओ की प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला उपाध्यक्ष विजय फागीवाला मंत्री दिनेश अजमेरा सहित दिगम्बर जैन पंचायत ,श्री आदिनाथ मंदिर कमेटी। श्रीपार्श्वनाथ मंदिर की कमेटी श्री विद्या महिला मण्डल श्री ज्ञानोदय बहु मण्डल श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला श्री विराग मण्डल श्री दिगम्बर जैन युवा मण्डल श्री दिगम्बर जैन महासमिति पुरुष कमेटी के सभी सदस्यगण व सकल जैन समाज के महिला पुरूष सदस्यगण उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

शब्द ब्रह्म अकाट्य होता है

शब्दब्रह्म रूपी कमल आचरण व साधना की उर्वरा भूमि पर ही खिलता है। आचरण की सभ्यता व मौलिकता इसकी दीर्घजीविता का मूल है। आडंबर व कृत्रिमता की कोख से जन्मा शब्द, शब्दभ्रम तो हो सकता है, लेकिन शब्दब्रह्म नहीं। शब्द ब्रह्म अकाट्य, अनश्वर व अविनाशी होता है। शब्दब्रह्म के चुने गए खुशबूदार शब्द-पुष्पों से वाणी का निर्माण होता है। वाणी अभिव्यक्ति का शाश्वत शृंगार है। व्यक्ति के क्षय हो जाने के बाद भी वाणी किसी न किसी रूप में ब्रह्मांड में कायम रहती है। शब्दभ्रम के कृत्रिम पुष्पों से अभिव्यक्ति का सांसारिक गंतव्य तो सिद्ध हो सकता है, लेकिन जीवन के असली गंतव्य और शब्दब्रह्म की शाश्वतता और स्थायित्व को प्राप्त नहीं किया जा सकता। जब शब्द व अभिव्यक्ति आचरण और तप साधना में पगकर उपजते हैं तो वे भाषाई मिसाइल का कार्य करते हैं। आचरणयुक्त अनुप्रयोग की शत-प्रतिशतता से वे गृहीता का भी कायाकल्प करने की क्षमता रखते हैं। शब्दों का अपव्यय इनकी ऊर्जा व शक्ति-सामर्थ्य को भी कम कर सकता है, जबकि इनका संचय व सार्थक उपयोग नई जीवनीशक्ति उपहार में देता है। अविवेकपूर्ण शब्द प्रयोग दुविधा उत्पन्न कर खुद को ही तनाव, दबाव और चिंता में डाल देता है। इसके विपरीत शब्द का सार्थक व सोद्देश्य निवेश दूसरों के लिए भी कल्याणकारी सिद्ध होता है। शब्दब्रह्म की प्रामाणिकता प्राप्त कर देने वाला शब्द दूसरों के कष्ट, संताप, व्याधि व वेदनाओं का भी हरण कर सकता है। स्वयं और दूसरों के लिए वह सर्वथा हितैषी व कल्याणकारी सिद्ध होता है। परिष्कृत शब्द संत की तरह निर्मल और निश्छल होता है। वह हृदय सरोवर में लोगों के उद्धार के लिए ही अवतरित होता है। वही कभी मीरा, नानक, कबीर, रैदास की वाणी बनकर युग का नेतृत्व व मार्गदर्शन करता है और कभी गीता, भागवत व पुराणों की मंत्र-संहिता बनकर साधकों की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला शक्तिपीठ बनता है। वह दूसरों को व्याधि-मुक्त करने का अमोघ-शस्त्र है।

संपादकीय

विरोध बनाम दायित्व

कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना के खिलाफ चिकित्सकों के आंदोलन का आधार बिल्कुल उचित है। यह भी कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर उभरे जनाक्रोश की वजह से ही सरकारी तंत्र के भीतर कानूनी कार्रवाई को लेकर सजगता देखी जा रही है। मामले की जांच सीबीआइ भी कर रही है और इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट भी जरूरी सवाल उठा रहा है, जिसका जवाब देना पश्चिम बंगाल सरकार के लिए भारी पड़ रहा है।

मगर इसका एक पहलू यह भी है कि राज्य में इस घटना के खिलाफ चिकित्सकों का जो विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था, उसके एक महीने से ज्यादा समय से जारी रहने की वजह से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा बुरी तरह बाधित हुई है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार ने बताया कि चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन की वजह से तेईस मरीजों की जान चली गई। चिकित्सकों की हड़ताल और उनके आक्रोश के औचित्य को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। मगर अफसोस की बात यह है कि कोलकाता में हुई त्रासद वारदात में आरोपी सहित संदेह के घेरे में आए अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में अनिवार्य सजगता नहीं दिखाई गई। यही वजह है कि समूचे देश में इस घटना के खिलाफ आक्रोश पैदा हुआ। इसमें देश के अलग-अलग हिस्से में उभरा चिकित्सकों का आंदोलन भी है। यों कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए जब चिकित्सकों से काम पर लौटने को कहा था, तब दिल्ली के कुछ अस्पतालों में डॉक्टरों ने ड्यूटी पर वापस आने की बात कही, मगर पश्चिम बंगाल में चिकित्सकों का आंदोलन अपनी मांगों पर डटा रहा। अब एक बार फिर अस्पतालों में सेवा बाधित होने और उसकी वजह से मरीजों के सामने पैदा होने वाले जोखिम की वजह से सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सकों को ड्यूटी पर लौटने का निर्देश देते हुए कहा कि कामकाज शुरू करने पर उनके खिलाफ कोई विपरीत कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह छिपा नहीं है कि अगर किसी भी वजह से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा ठप होती है तो इसका सीधा असर वहां आने वाले मरीजों की सेहत पर पड़ता है, जो आमतौर पर गरीब तबकों से आते हैं। ऐसे मरीजों और उनके परिजनों के सामने महंगे निजी अस्पतालों या डाक्टरों के क्लीनिक में जाकर इलाज का खर्च उठाने की सामर्थ्य नहीं होती। वे इलाज के लिए आमतौर पर सरकारी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। ऐसे में चिकित्सकों के ड्यूटी पर नहीं लौटने का खमियाजा उन्हें ही उठाना पड़ रहा है। इस क्रम में राज्य सरकार की ओर से अदालत में बताए गए तेईस मरीजों की मौत के आंकड़े सही हैं, तो यह चिंताजनक है। समय पर चिकित्सा या अस्पतालों में कामकाज को वैसे भी अनिवार्य सेवाओं के तहत देखा जाता रहा है। प्रशिक्षु चिकित्सक के बलात्कार और उसकी हत्या से सभी लोग दुखी और आक्रोशित हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

युद्ध का दंश

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में आम नागरिकों पर हमले और उनकी हत्या के औचित्य पर शुरू से सवाल उठते रहे हैं। मगर इजराइल ने शायद ही कभी इस बात की फिक्र की। अब एक बार फिर गाजा पट्टी में इजराइल के ताजा हमले में कम से कम उन्नीस लोगों की जान चली गई। खबरों के मुताबिक, इजराइल ने खान यूनिस शहर के जिस इलाके में यह हमला किया, वहां युद्ध में विस्थापित हुए फिलिस्तीनी लोगों ने शरण ली हुई है। इजराइली सेना ने इसे खुद मानवीय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। इसके बावजूद वहां इस स्तर का हमला करना समझ से परे है। हालांकि, इजराइल का तर्क है कि यह हमला हमास के शीर्ष लड़ाकों को निशाना बनाने के इरादे से किया गया, जो वहां स्थित कमान एवं नियंत्रण केंद्र के भीतर काम कर रहे थे। अगर उसकी आशंका सही हो तो भी क्या बड़ी तादाद में आम लोगों की हत्या को उचित ठहराया जा सकता है? दुनिया भर में सशस्त्र संघर्षों या युद्ध की स्थिति में आम लोगों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कायदे-कानून की नियमावली तैयार की गई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी युद्धकाल के दौरान मानव बस्तियों, शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों और आपदा राहत व मानव सहायता केंद्रों या शरणस्थलों पर हमले को नियमों के गंभीर उल्लंघन की सूची में शामिल किया है। विडंबना यह है कि इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध हो या फिर रूस और यूक्रेन के बीच, आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर अमल जरूरी नहीं समझा जा रहा। गाजा पट्टी में इजराइल के हमलों में आम लोगों के हताहत होने की खबरें पहले भी कई बार आती रही हैं। हमास के लड़ाकों ने जब इजराइल की सीमा में घुसपैठ कर जनसंहार की वारदात को अंजाम देकर इस युद्ध की शुरूआत की थी तब इजराइल ने इसे अंतरराष्ट्रीय आम नागरिक सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन

बताया था। मगर अब इजराइल की ओर से गाजा पट्टी में हो रहे हमलों में जो तस्वीर सामने आ रही है, उसे कैसे उससे अलग रूप में देखा जाएगा! सवाल है कि अगर युद्ध के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा का खयाल नहीं रखा जाता है तब फिर अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का क्या महत्त्व है? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम देशों को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

जनकपुरी में 'दशलक्षण पर्व' पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा नाटिका 'स्लो पॉइजन' का मार्मिक मंचन

बालिका छात्रावास की तीस बालिकाओं की सशक्त प्रस्तुति देख दर्शक स्तब्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी जैन मंदिर में 'दसलक्षण पर्व' के पावन अवसर पर मंगलवार को दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के श्री सन्त सुधासागर कन्या आवासीय महाविद्यालय की बालिकाओं द्वारा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक परिवार में चिंतन का विषय बने मोबाइल के बढ़ते उपयोग और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाटिका 'स्लो पॉइजन' का सशक्त मंचन किया गया। इस नाटिका में 30 बालिकाओं ने भाग लिया। जिनका नेतृत्व अध्यापिका ज्ञानुमति, रेखा, अनिता संध्या व रेणु जैन ने किया। नाटिका की प्रस्तुति इतनी सशक्त थी कि खचाखच भरे सभागार में दर्शकों की तालिया लगातार बजती रही। समाज में बढ़ते अलगाव, मोबाइल और सोशल मीडिया के खतरों के प्रति जागरूकता का संदेश देने के साथ ही बच्चों और युवाओं को यह समझाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ रमेश चन्द अरविंद प्रिया साखूनियाँ द्वारा चित्र अनावरण व दीपक अरविंद माणकलाल जैन पूना वालों द्वारा उद्घाटन के साथ हुआ। नाटिका में विशेष रूप से यह दशार्या गया कि सोशल मीडिया पर जो आभासी छवि बनाई जाती है, वह कई बार युवाओं को भ्रमित कर देती है, जिससे वे विवाह जैसे महत्वपूर्ण निर्णय जल्दबाजी में ले लेते हैं और बाद में पछताते हैं। मोबाइल के इस युग में युवा साथी अपने माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की अनदेखी कर रहे हैं। वे अपने ही स्वार्थों में लिप्त रहते हैं और विवाह जैसे गंभीर निर्णयों में माता-पिता के निर्णयों को न मानने के दुष्परिणाम भुगतते हैं। जबकि प्रतिदिन मंदिर जाने, पूजन करने और धर्म के अनुसार आचरण करने वाला परिवार सदा सुखमय जीवन जीता है। जैन पाठशाला, जैन धार्मिक संस्कार, जैन खानपान से हमारे आचार और विचार किस तरह सकारात्मक रूप से प्रभावित होते है और मद्यपान के सेवन के क्या खतरे हैं। भारतीय संस्कृति से जुड़े परिवारों में प्रेम, स्नेह, विश्वास, समर्पण और एकता लंबे समय तक बनी रहती है, जबकि पश्चिमी संस्कृति और मोबाइल की दुनिया में फंसे युवा अपने निर्णयों पर पछताते हुए दिखाई देते हैं। कार्यक्रम का संचालन शिखर चन्द जैन द्वारा किया गया तथा मंगलाचरण बालिकाओं ने आचार्य विद्यासागर को वन्दन करते हुए किया। इस नाटिका के दौरान आस-पास की कॉलोनियों के जैन समाज के श्रावक, महिला मंडल ,जैन युवा मंच के अलावा युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन व महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा , दिगंबर जैन महासभा के पदाधिकारी अनिल जैन, सुरेंद्र पांड्या आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने मार्मिक प्रस्तुति के लिए श्रमण संस्कृति संस्थान के पदाधिकारियों संस्थान से पधारी अध्यापिकाओं, बालिकाओं का तथा पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

चौमूं जैन मंदिर में उत्तम शौच धर्म की पूजन की गई

चौमूं. शाबाश इंडिया। शहर में चंद्रप्रभु शांतिनाथ पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर की में जैन समाज द्वारा दसलक्षण महापर्व के चतुर्थ दिवस पर प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा एवं शौच धर्म की पूजन की गई। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि आज के अभिषेक शांति धारा का सौभाग्य रामगोपाल जयकुमार कमलेश कुमार पाटनी नाथूसर वालों को प्राप्त हुआ। शौच धर्म पूजन में बताया कि मनुष्य जीवन में अपनी सोच अच्छी रखे तो क्या कुछ नहीं कर सकता क्योंकि हर कार्य अपनी सोच पर ही निर्भर करता है आप अपनी अच्छी सोच रखोगे अच्छे कार्य होंगे विपरीत रखोगे किसी के प्रति गलत भाव रखोगे तो गलत कार्य होंगे प्राणी जीवन में माया के चक्कर में अपने जीवन को नर्क बना लेता है क्योंकि लोभ ऐसी माया है जो मनुष्य को कालचक्र में फंसा देती है और मनुष्य गलत कार्य कर बैठता है यह लोभ ही पाप का बाप है इसीलिए शौच धर्म बताता है की हमेशा मनुष्य को सकारात्मक सोचना चाहिए जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने के लिए स्वच्छता व सफाई जरूरी है इसी स्वच्छता व सफाई का नाम ही उत्तम शौच धर्म है संयोजक नितेश पहाड़िया के सानिध्य में महा आरती णमोकार भजन भक्तामर अनुष्ठान का कार्यक्रम संपन्न हुआ। सुनील जैन हीरालाल बड़जात्या ने बताया कि सुगंध दशमी के दिन म्यूजिकल हाऊजी का कार्यक्रम एवं अन्य कार्यक्रम कराए जाएंगे सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

मन की शुचिता में ही सर्व शुचिता है: आचार्य आर्जव सागर महाराज

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। जैन धर्म में सबसे उत्तम पर्व और पर्वों का राजा कहे जाने वाले दसलक्षण महापर्व आनंदपूर्वक भक्ति भाव के साथ किए जा रहे हैं इसी क्रम में अष्टमी पर्व पर जूना मंजिल में मूल नायक पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक कर शांतिधारा एवं पूजन हुई। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत में बताया कि नगर में विराजमान आचार्य आर्जवसागर सभागार में दसलक्षण महापर्व के पावन दिनों में चौथे दिन उत्तम शौच धर्म पर आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचन के दौरान बताया कि शौच धर्म क्या होता है ? शौच का मतलब है- पवित्रता का भाव और वह आत्मा का गुण होने से धर्म है।इसलिए शौच धर्म सार्थक कहा गया है। अतः शुचिता; कर्मों के क्षय, आत्मा की प्राप्ति के लिए अपनाते हैं। इसलिए ये दस धर्म प्रकट होते है। आत्मा में प्रकट अति लोभ, तृष्णा से छूटना भी शौच है। आत्मिक पवित्रता तभी आती है जब विषय वासना रूप भावों को छोड़ते हैं। आचार्य श्री नें कहा कि प्रत्येक जीव की आत्मा में अनंत शक्ति है परंतु उसे कर्मों ने आच्छादित किया है। जैसे-जैसे हम कर्मों को धोते हैं, वैसे-वैसे शुचिता धर्म प्रकट होने लगता है। हमारी आत्मा को हमें उज्जवल बनाने के लिए; विकारी परिणामों को, बुरे विचारों को, गंदे भावों को दूर करना पड़ेगा। ऐसा करने से ही आत्मा में आत्म गुण प्रकट हो पाएंगे।

गुरुवर के अवतरण दिवस पर हुआ विशेष कार्यक्रम

आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज के 57 वे अवतरण दिवस पर विशाल पाण्डाल को भक्तों की भक्ति पूर्वक दुल्हन जैसा सजाया गया। वही सौधर्म इंद्र परिवार द्वारा विशेष पाद प्रक्षालन किया गया एवं संघस्थ ब्र.बहिन ऋषीका दीदी दमोह द्वारा गुरुवर की विशेष रूप से मंगलमयी पूजन संपन्न कराई गई। पश्चात नीलेश जैन सपरिवार, ब्राम्ही सुन्दरी बालिका मंडल, जिनवाणी मण्डल, चन्दनबाला मण्डल आदि के सदस्यों द्वारा गुरुवर के कर कमलों में शास्त्र दान किया। विशेष जनों द्वारा गुणगान स्वरूप मंगलाचरण एवं मंगलमय आरती भी की गई। इसके उपरांत बाहर से आये हुए अतिथियों का कमेटी जनों के द्वारा सम्मान भी किया गया।

जैन मंदिर मधुबन टोंक फाटक में सुगंध दशमी पर भव्य झांकी

जैन धर्म का भविष्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर मधुबन टोंक फाटक में सुगंध दशमी के अवसर पर ''जैन धर्म का भविष्य'' झांकी के पोस्टर का विमोचन आज कीर्ति नगर जैन मंदिर में मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज मुनि श्री शील सागर जी महाराज के सानिध्य में हुआ । मंदिर स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष पर लगने वाली झांकी के पोस्टर विमोचन के अवसर पर समाज के अध्यक्ष अक्षय मोदी, मंत्री श्री अनिल छाबड़ा एवं झांकी के लोकार्पणकर्ता नरेंद्र जैन खेड़ली वाले के साथ दिलीप कासलीवाल, गौरव छाबड़ा, अवनेश कासलीवाल, अजय गंगवाल, नेमि छाबड़ा, अशोक जैन, सुनील सोगानी, कुंती लाल रावका, महेश चंद चांदवाड, गोपाल लाल संघी, हरक चंद छाबड़ा, राजेश कोट्यारी,

पियूष शाह, विकास सोनी, अशोक बड़जात्या, पियूष कासलीवाल, अशोक बोहरा, गुणमाला जैन सहित समाज की गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। प्रबंध समिति के प्रचार प्रसार मंत्री अर्पित बड़जात्या ने बताया की झांकी की प्रेरणा मुनि श्री के मंगल आशीर्वाद से ही प्राप्त हुई है। साथ ही समाज द्वारा मुनि श्री को झांकी के अवलोकन हेतु भी श्रीफल अर्पित किया गया।

लोभ छोड़ो, शौच धर्म स्वीकारो : आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी

इंदौर. शाबाश इंडिया। ''पर्वराज दसलक्षण महापर्व'' पर आयोजित ''श्रावक संस्कार संयम शिविर'' में सम्बोधन करते हुए कहा कि धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरु देव ने कहा कि पापों का पिता कोई है तो वह लोभ है। लोभ बड़ा खतरनाक होता है। लोभ अनर्थकारी होता है। लोभ सर्व- अनर्थो का मूल कारण है। लोभ ही पाप कराता है। लोभ ही हिंसा कराता है, लोभ मान कराता है, लोभ ही मायाचारी कराता है, लोभ ही झूठ बुलबाता है, लोभ ही चोरी कराता है, लोभ ही कुशील कराता संग्रह वृत्ति में प्रवृत्त कराता है। लोभी लोभ के वश सम्पूर्ण-पाप करता है।लोभी के लोभ के कारण ही उसका सर्वनाश होता है। स्वच्छता, शुचिता, पवित्रता निर्मलता को ही शौच धर्म कहते हैं। कषाय परिणाम से आत्मा मलिन होती है, आत्मा से अशुद्धि को हटाना, मलिनता दूर करना, यही शुचिता है। पवित्रता तभी आयेगी जब तुम परिग्रह से मुख मोड़ लोगे, कषायों को छोड़ दोगे। चाह ही चिंता बढ़ाती है, चाह ही कषाय भड़काती है। आकांक्षा ही विशुद्धि घटाती है। कामनायें ही कष्ट देती हैं। कामनायें ही बिनाशकारी हैं। सबसे अधिक कीमती, मूल्यवान, श्रेष्ठ वस्तु है, तो वह भाव-बिशुद्धि है। जो पवित्र-परिणाम गुरुसेवा, प्रभु भक्ति में होते हैं, ऐसे उच्च-परिणाम लाखों स्वर्ण मुद्रायें व्यय करके भी प्राप्त करना कठिन है। कषाय की एक कणिका से शान्ति भंग हो जाती है। कषाय से बचो, शुचिता प्राप्त करो। लोभी लोभ के वश इतना अधिक श्रम करता है कि- स्वयं को बीमार कर लेता है।

निम्बाहेड़ा में दशलक्षण पर्व पर भव्य आयोजन

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निम्बाहेड़ा। दिगम्बर धर्मावलम्बीयो ने दशलक्षण पर्व के चौथे दिवस पर उत्तम शौच धर्म के अर्घ्य को विसर्जित कर अनुष्ठान किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार श्री आदिनाथ ओर शान्तिनाथ जिनालयो मे सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे चल रहे पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के अंतर्गत धर्मावलम्बीयो ने आज चौथे दिवस पर उत्तम शौच धर्म कि पूजा अर्चना कर भगवन के समक्ष सामूहिक अर्घ्य विसर्जित किये वहीं रोजाना रात्रि को धर्म प्रभावना के अंतर्गत जयपुर सांगानेर से पधारे विद्वतजन अनुज भैय्या ओर संयम भैय्या के सानिध्य मे शास्त्र विवेचना श्रुतवाचन दसो धर्म पर प्रवचन के साथ धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे है जिसमे बड़ी संख्या मे श्रद्धालूजन भाग ले रहे है ।इधर समाज अध्यक्ष सुशील काला ने बताया की दशलक्षण पर्व पर आज बुधवार को श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शांतिधारा रौनक पटौदी, प्रेम पटौदी परिवार की और से तथा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आज की शांतिधारा विनीत जैन, पारसमल पटवारी, कंवर लाल महावीर अजमेरा, संजय पाटनी, ललित पाटनी, अनिल अग्रवाल परिवार द्वारा सम्पन्न कराई गई।

घिनोंई वाला जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व पर भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर घिनोई वाला जय लाल मुंशी का रास्ता में दसलक्षण पर्व पर प्रतिदिन भव्य आयोजन हो रहे हैं। राजकुमार पाटनी अध्यक्ष, रवि जैन महामंत्री, नवचेतना युवा मंडल ने बताया कि प्रतिदिन प्रातः सामूहिक कलाशाभिषेक शांतिधारा पूजन एवम सांय आरती एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम नवचेतना युवा मंडल के तत्वावधान में किए जा रहे हैं।

पुनः चमत्कार विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर हुआ भगवान शांतिनाथ जी का देवों द्वारा सुगंधाभिषेक

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान में परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का चातुर्मास चल रहा है। दसलक्षण महापर्व में दशलक्षण मंडल विधान के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म एवं अष्टमी पर्व के शुभ अवसर पर प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज पुनः भगवान शांतिनाथ जी का देवों द्वारा सुगंधित अभिषेक किया गया। लगातार चल रही निस्वार्थ भक्ति आराधना का साक्षात फल देवों द्वारा किया जाने वाला यह अभिषेक है,इसमें कोई संदेह नहीं। भक्ति भाव के साथ देवगण भी भगवान की स्तुति आराधना करने में दत्तचित्त है। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज मंडल पर 21 अर्घ्य चढ़ाकर उत्तम शौच धर्म की पूजन की गई। पुष्पदंतनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्रशांत जैन शास्त्री आगरा सपरिवार ने प्राप्त किया। पूज्य गुरुमां ने अनशन व्रत को धारण किया। दशलक्षण विधान के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य सुरेश अमित ठोलिया विवेक विहार जयपुर एवं पद्मचंद राजरानी गंगवाल निर्माण नगर जयपुर सपरिवार ने प्राप्त किया। निवाई जैन समाज के गुरु भक्तों ने पूज्य गुरु मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उत्तम सोच दिवस पर श्री पुष्पदंत भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

प्रकाश पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में अष्टमी उत्तम सोच धर्म दिवस पर श्री पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रातः काल सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक कर चांदमल जैन एवं ज्ञानचंद गदिया ने श्री पदम प्रभु भगवान, आसाराम अग्रवाल ने श्री आदिनाथ भगवान, विजय कुमार सोनी ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। एवं अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। इस उपरांत निर्वाण कांड पाठ द्वारा भक्ति-भाव से सामूहिक रूप से श्री पुष्पदंत भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। बाद में उत्तम सोच धर्म की आराधना कर अर्ग समर्पण किये इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं-उपस्थित थे। सायंकाल जिनेंद्र देव की आरती कर 48 दीपों द्वारा भक्तामर की महाआरती की। कल्पना सोनी ने शास्त्र सभा में उत्तम सोच के बारे में बताया एवं कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए।

शक्ति नगर जैन मंदिर में सुगंध दशमी पर अर्हम योग ध्यान झांकी लगेगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मन्दिर, शक्ति नगर, गोपालपुरा बाई पास जयपुर में 13 सितंबर को सुगंध दसमी के मौके पर अर्हम योग ध्यान झांकी शक्ति नगर महिला मंडल के द्वारा सजाई जायेगी। मंत्री पारस जैन गहनौली ने बताया कि इस झांकी के पोस्टर का विमोचन सतं 108 श्री प्रणम्य सागर जी महाराज जी के सानिध्य में किया गया। इस मौके पर विनोद कोटखावदा, प्रदीप जैन, अध्यक्ष शिखर चंद जैन, मंत्री पारस जैन गहनौली , सुनीता अजमेरा शक्ति नगर, मीनू गंगवाल, अंकिता बिलाला, प्रमिला जैन, जिनेन्द्र जैन मौजूद रहे।

हिंदी बोलते समय इतनी शर्म क्यों?

किसी भी भाषा की सुंदरता उसके उपयोगकर्ता के कौशल में निहित होती है। यह बोलते समय आवाज, उच्चारण और स्वर पर भी निर्भर करता है। मुझे लगता है कि इलाहाबादी हिंदी बहुत पॉलिश है और इसी तरह हिंदी फिल्मों में इस्तेमाल की जाने वाली टपोरी भाषा थोड़ी अजीब है। देहाती बिहारी लहजे में भी मजा आता है। मूल रूप से, भाषा के विभिन्न द्वंद्वात्मक रूप हैं। इसलिए कोई भाषा नीरस नहीं लगती। अगर लोग हिंदी या कोई भी भारतीय भाषा ठीक से बोलते हैं - तो वह पॉलिश दिखाई देगी। हमें बस किसी भी भाषा का अच्छा संस्करण सुनना है। बोलचाल के प्रयोग ने उच्चारण को इतना दूषित कर दिया है कि हम इस तरह की राय विकसित करने की प्रवृत्ति रखते हैं। विशेष रूप से सभी पुरानी भाषाएँ - संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, आदि वास्तव में मधुर और संगीतमय हैं। राष्ट्रीय हिंदी दिवस पूरे देश में हिंदी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। भाषा को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी दिन देश के राष्ट्रपति हिंदी भाषा और साहित्य में योगदान के लिए लोगों को सम्मानित भी करते हैं। यह दिन 14 सितंबर को मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था। साथ ही 14 सितंबर को राजेंद्र सिम्हा की जयंती है, जिन्होंने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने की दिशा में अथक प्रयास किया। भारत की संविधान सभा ने 1949 में हिंदी भाषा को भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाया और मान्यता दी। हिंदी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। यह भारत गणराज्य की 22 अनुसूचित भाषाओं में से एक है। दुनिया में बोली जाने वाली कुल भाषाओं में हिंदी पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। संविधान का अनुच्छेद 343 भारत की राजभाषा से संबंधित है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लगभग 43.6% वक्ता हिंदी को अपनी मातृभाषा के रूप में पहचानते हैं। हिंदी नाम की उत्पत्ति फारसी में हुई है। हिंद शब्द का अर्थ फारसी में 'सिंधु नदी की भूमि' है। 11वीं शताब्दी की शुरूआत में तुर्की आक्रमणकारियों ने इस क्षेत्र की भाषा को हिंदी, 'सिंधु नदी की भूमि की भाषा' नाम दिया था। हिन्दी की आधुनिक लिपि देवनागरी 11वीं शताब्दी में अस्तित्व में आई। दुनिया में बोली जाने वाली कुल भाषाओं में हिंदी पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, युगांडा, सूरीनाम, त्रिनिदाद और मॉरीशस सहित विभिन्न देशों में बोली जाती है। दुनिया भर में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। शिक्षा मंत्रालय ने 1960 में केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना की। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने विदेशों में विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में 'हिंदी चेयर' की स्थापना की है। स्व-शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक स्व-शिक्षण एप्लिकेशन लीला-राजभाषा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारतीय भाषाएँ सीखें) बनाई गई है। राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हिंदी भाषा में योगदान के लिए दिए जाते हैं। केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना 1960 में शिक्षा मंत्रालय के तहत गैर-हिंदी भाषी भारतीय राज्यों के लोगों, विदेशों में बसे भारतीयों और हिंदी सीखने के इच्छुक विदेशी नागरिकों को पत्राचार के माध्यम से हिंदी का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। ई-सरल हिंदी वाक्य

कोष और ई-महाशब्दकोश मोबाइल ऐप, राजभाषा विभाग की दोनों पहलों का उद्देश्य हिंदी के विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हिंदी में योगदान को मान्यता देते हैं। हिन्दी निश्चय ही एक समृद्ध और सुन्दर भाषा है। यह न केवल साहित्य के कारण बल्कि भाषा की सुंदरता से भी समृद्ध है। यह न केवल दोस्तों (तू, तेरा आदि) के साथ अनौपचारिक होने की स्वतंत्रता देती है, बल्कि एक बड़े/वरिष्ठ (आप, आपका) को भी सम्मान देती है-जो कुछ भाषाओं, विशेष रूप से अंग्रेजी में दिखाई नहीं देता है। ध्वन्यात्मक भाषा स्क्रिप्ट को सीखना और उपयोग करना आसान बनाती है क्योंकि का + आ हमेशा का होता है, बिना किसी अपवाद के। विभक्तियों को ठीक से वर्गीकृत किया जाता है, औपचारिक रूप से भी सीखना आसान हो जाता है। खड़ी बोली, ब्रजभाषा आदि बोलियों को शामिल करके और यहां तक कि उर्दू जैसी अन्य भाषाओं ने इसे और अधिक सुंदर बना दिया है। कई भारतीय भाषाओं की तरह इसकी व्याकरण भी समझने में आसान है। कबीर और तुलसीदास जैसे कवियों ने सदियों से समकालीन कवियों तक इसे वह गहराई दी है जिसके वह हकदार हैं। उनकी भाषा के सुंदर अलंकार हिंदी को जन-भाषा बनाते हैं। क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि यह भारत में व्यापक रूप से क्यों बोली जाती है? फिर भी यहाँ अंग्रेजी को तवज्जो दी जाती है। 125 मिलियन से अधिक अंग्रेजी बोलने वालों के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंग्रेजी बोलने वाला देश है। अधिकांश शिक्षण संस्थानों में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय है। लेकिन उनमें से ज्यादातर अंग्रेजी को अपनी दूसरी भाषा के रूप में पसंद करते हैं। कुछ भारतीयों की मानसिकता ऐसी है कि धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना नौकरी पाने में फायदेमंद होता है और यह सिर्फ भारत में ही नहीं है। दुनिया के अधिकांश गैर-अंग्रेजी भाषी देश (जैसे जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, आदि) दुनिया भर में ऐसे लोगों को नियुक्त करते हैं जो अपने स्कूलों, विश्वविद्यालयों आदि में पढ़ाने के लिए धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से सोचती हूं, न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में अंग्रेजी कब्जा कर रही है।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

अभिषेक पूजा पाठ के साथ भगवान पुष्पदंत स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया

सनावद. शाबाश इंडिया

दशलक्षण महापर्व के चतुर्थ दिन बुधवार को श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका सरस्वती माता जी ने अभिषेक, शांतिधारा कराई। श्री सत्येंद्र जैन एवं धीरेंद्र बाकलीवाल ने महाभिषेक किया। डॉ.नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि प्रातः 6 बजे से आरंभ पूजन में आज नित्यपूजा, भगवान सुपार्श्वनाथ, भगवान शांतिनाथ निर्वाण क्षेत्र, जिनवाणी पूजन के साथ जैन धर्म के नवमें तीर्थंकर पुष्पदंत स्वामी का मोक्ष कल्याणक दिवस होने के कारण श्रद्धालुओं ने उनकी पूजन तथा निर्वाण कांड के सामूहिक वाचन के साथ निर्वाण लाडू संतोष बाकलीवाल, नरेश पाटनी, आशीष पाटनी, राजेश चौधरी, जंगलेश जैन, लविश जैन, संध्या जैन, प्रिया जैन, वीनस जैन, रूचि जैन, सपना जैन, संगीता बाकलीवाल, पलक जैन सहित अनेक उपस्थित श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाया। डॉ नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि भगवान पुष्पदंत स्वामी का जन्म आज से लाखों वर्ष पूर्व काकन्दी नगरी के क्षत्रिय राजा सुग्रीव की पटरानी जयरामा के राजमहल में हुआ था। वैराग्य जागृत होने पर आपने स्वतः दिगंबर दीक्षा धारण कर तपस्या की। केवल ज्ञान प्राप्त होने पर अनेक स्थानों पर धर्मोपदेश से लोगों को जिनधर्म के मार्ग पर लगाया और पावन सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखरजी से मोक्ष प्राप्त किया। अतः श्रद्धालुजन भाद्रपद शुक्ला अष्टमी के दिन आपका निर्वाण महोत्सव धूमधाम से निर्वाण लाडू चढ़कर मनाते हैं। इस मौके पर पूज्य आर्यिका सरस्वती माता जी एवं आर्यिका अनंत मति माताजी के उत्तम शौच धर्म पर संत निलय में प्रवचन हुए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

ऋजुता का भाव सरलता है, सरल विचार कपट छल से रहित भाव को आर्जव धर्म कहते हैं: मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्यासागर पाठशाला दुर्गापुरा के बच्चों के नाटक धर्म के संस्कार की प्रस्तुति के पात्र पाठशाला परिवार एवं अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने दशलक्षण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, ऋजुता का भाव सरलता है।सरल विचार कपट छल से रहित भाव को आर्जव धर्म कहते हैं। आर्जव का विपरीत माया है। जो प्राणी मन, वचन काय से कुटिलता न रखता हो वही आर्जव धर्म को पाल सकता है। विषय सामग्री से तृष्णा रूपी ज्वाला और अधिक प्रज्वलित होती है, अतः उत्तम शौच धर्म का पालनकर तृष्णा का अभाव करना चाहिए। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दशलक्षण महापर्व में प्रातः 6.15 बजे प्रथम अभिषेक शांतिधारा सुनील कुमार संगही ने की। दशलक्षण मंडल विधान में उत्तम आर्जव धर्म की पूजा मण्डल पर राजकुमार चंदा सेठी ने एवं उत्तम शौच धर्म की राजेन्द्र कुमार शीला काला ने श्रद्धालुओं के साथ बड़े भक्ति भाव से कर धर्म प्रभावना की। सायंकाल आरती, गुरु भक्ति, विदूषी बहनें मानसी जैन व तनीषा जैन की तत्व चर्चा हुई है। उत्तम आर्जव दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा ने नृत्य नाटिका आचार्य मानतुंग स्वामी भक्तामर की महिमा की बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति दी। दर्शकों ने इस प्रस्तुति के लिए जिसकी तैयारी में दिन रात अपना योगदान देने वाले त्रिशला संभाग दुर्गापुरा की अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी मंत्री श्रीमती रेणु पांड्या एवं उनकी टीम व कलाकारों की प्रशंसा में पूरे सदन ने जोरदार तालियां बजाकर सराहना की। ट्रस्ट के मंत्री ने बताया कि यह संभाग तन,मन,धन से मंदिर जी के कार्यक्रमों में अनवरत सेवाएं प्रदान करता रहता है। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महसमिति महिला अंचल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला ड्योडा, कोषाध्यक्ष डॉ वन्दना जैन एवं राजस्थान अंचल की उपाध्यक्ष डॉ शांति मणि का ट्रस्ट एवं त्रिशला संभाग की ओर से भावभीना स्वागत किया, उनके द्वारा महिला उत्थान एवं बालिकाओं को संस्कारित करने के कार्यों की सराहना की। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में श्री दिगम्बर जैन महसमिति महिला अंचल के पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला ड्योडा, राजस्थान अंचल अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल कोषाध्यक्ष श्रीमती सुशील एवं शिविर संयोजक उत्तम पाटनी ने पधार कर सभी कक्षाओं में जाकर धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का अवलोकन किया जिससे समस्त त्रिशला सम्भाग दुर्गापुरा को खुशी हुई और उत्साहवर्धन हुआ, आपने भी धार्मिक संस्कार शिविर की प्रशंसा की।

शारिरिक शुचिता के साथ मानसिक शुचिता भी आवश्यक यही उत्तम शौच धर्म

कामां, डीग. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के महान पर्व दस लक्षण के चतुर्थ दिवस शांतिनाथ दिगंबर जैन खंडेलवाल पंचायती दीवान मंदिर कामां में उत्तम शौच धर्म की विशेष पूजा आराधना की गई तो इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने नोवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व भी मनाया। मंदिर समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि दस लक्षण पर्व में श्रावकों द्वारा विशेष पूजा आराधना की जा रही है तो वहीं विश्व शांति हेतु बृहद शांति धारा भी की गई। इस अवसर पर रिंकू भैया ने कहा की शारीरिक शुद्धता के साथ-साथ मानसिक शुद्धता की भी बड़ी आवश्यकता है। आज का धर्म उत्तम शौच इसी शुचिता की ओर इंगित करता है। सभी को अपने मन मस्तिष्क में विशुद्धता धारण करते हुए जीवन यापन करना चाहिए। आंतरिक स्वच्छता के इस दिवस पर मन के मेल एवं कलुषता को निकाल कर सकारात्मक विचारों का आगमन करना ही शौच धर्म की सार्थकता है। मन्दिर समिति के कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन के अनुसार इस अवसर पर जैन धर्म के नोवें तीर्थंकर भगवान पुष्पदन्त नाथ के भाद्र पद शुक्ल अष्टमी को शाश्वत तीर्थ सम्मेदशिखर से निर्वाण प्राप्त करने के उपलक्ष्य में निर्वाण कल्याणक महोत्सव पर निर्वाण लाडू समर्पित कर संयम की भावना भाई गयी।

दशलक्षण महापर्व पर भजन प्रतियोगिता संपन्न

मनीष विद्यार्थी। शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के द्वारा भगवान महावीर स्वामी के 25 वे निर्वाण महोत्सव की श्रृंखला में दशलक्षण महापर्व के अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दीनदयाल नगर में भव्य संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें 29 प्रतिभागियों द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ऊपर अपने मनमोहक एवं सुंदर भक्ति भजन के माध्यम से अपनी परिस्थितियों प्रस्तुत की तथा प्रस्तुति के आधार पर जैन मिलन द्वारा सभी प्रतिभागियों को आकर्षित पुरस्कार वितरण किए गए इस समय वीर सुरेश जैन अध्यक्ष वीर रविंद्र जैन मंत्री वीर निशिकांत सिंघई प्रचार मंत्री वीर संजय जैन शिक्षक सांस्कृतिक मंत्री वीर राजेश जैन परसोरिया संयुक्त मंत्री वीर आरके जैन कृषि विस्तार अधिकारी उपाध्यक्ष वीर ज्ञान चंद नायक जैन मार्गदर्शक वीर सुभाष जैन परसोरिया मार्गदर्शन एवं संरक्षक वीर नरेंद्र जैन वीर गेंदालाल जैन वीर श्रेयांश जैन वीर मनोज जैन करापुर वीर समीप जैन वीर अनिल जैन विशेष रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन वीर संजय जैन शिक्षक द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में वीर रविंद्र जैन एवं निशिकांत सिंघई द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

आचार्य 108 श्री इन्द्रनंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य मे उत्तम शौच धर्म की हुई पूजा

तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू चढ़ाया, लोभ रुपी मैल से मुक्ति पाकर आत्मा को निर्मल करना ही उत्तम शौच धर्म है : आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज

डिग्गी. शाबाश इंडिया

धर्मपरायण नगरी डिग्गी में शांतिनाथ जिनालय साधना केन्द्र में विराजमान आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी महाराज, मुनि श्री उत्कृष्ट सागर जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में अग्रवाल समाज 84 के तत्वावधान में अग्रवाल सेवा सदन में चल रहे दशलक्षण महापर्व के चोथे रोज उत्तम शौच धर्म की पूजा हुई ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया की शांति नाथ जिनालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद विभिन्न धार्मिक क्रियाएं हुई,कार्यक्रम में अग्रवाल समाज 84 के अध्यक्ष अनिल सूराशाही ने बताया कि जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से मोक्ष कल्याण का श्री जी के समक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई।उक्त कार्यक्रम में मिलाप चंद - श्रीमती ललिता देवी, शांतिलाल ,कैलाश चंद्र भागचंद प्रमोद कुमार गोयल परिवार पचेवर निवासी मदनगंज किशनगढ़ वालों ने श्री जी की महाशांति धारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया,इसी कड़ी में चौथ का बरवाड़ा अग्रवाल जैन समाज ने आचार्य श्री को पंचकल्याणक महोत्सव हेतु आमंत्रित किया एवं बरवाडा अग्रवाल जैन समाज की तरफ से सामूहिक रूप से आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की गई,कार्यक्रम में पूज्यार्थियों द्वारा पंचपरमेष्ठी भगवान, मूलनायक शांति नाथ भगवान, देव, शास्त्र, गुरु की पूजन, पंच मेरु पूजन, नव देवता पूजन, सोलह कारण पूजन, दस लक्षण पूजन,24 भगवान की पूजन तथा निर्वाण क्षेत्रों की पूजा सहित अनेक पूजा पूजाएं कर सुख समृद्धि की कामना की, कार्यक्रम में आचार्य श्री ने आज उत्तम शौच की व्याख्या करते हुए श्रद्धालुओं को अपनी मंगलमय वाणी से उत्तम शौच धर्म पर बताया कि उत्तम शौच का तात्पर्य अपनी आत्मा को पवित्र करना ही उत्तम शौच धर्म है, पांच पापों से मुक्ति और मन में संतोष को धारण करना शौच धर्म कहा गया है,लोभ का त्याग करना ही शौच धर्म है, मनुष्य लोभ में फंसकर पाप की और अग्रसर होता है, अतः लोभ रूपी मैल से मुक्ति पाकर आत्मा को निर्मल करना ही उत्तम शौच धर्म है ।कार्यक्रम में मुनि सेवा समिति के मंत्री विमल कुमार जैन एवं फागी पंचायत के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने बताया कि सौधर्म इंद्र गोविंद जैन -श्रीमती राज जैन जर्मन वालों ने सभी इन्द्रों के साथ विधान पर 17 अर्घ्यअर्पित कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की ओर बताया कि उक्त कार्यक्रम आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में, मुनि सेवा समिति अग्रवाल समाज 84 के तत्वाधान में, सकल दिगम्बर जैन समाज डिग्गी के सहयोग से पंडित बृजेश शास्त्री के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा किया जा रहा है ।उक्त कार्यक्रम में अग्रवाल समाज 84 के अध्यक्ष अनिल सूराशाही,कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन पराना , फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, सत्यप्रकाश जैन चित्रकूंट सांगानेर, अग्रवाल सेवा सदन डिग्गी के संचालक गोविंद जैन एवं प्रकाश जैन डिग्गी, महावीर प्रसाद जैन,मिलाप चंद गोयल पचेवर, पदम चंद जैन पचेवर, विमल कुमार जैन पचेवर, सीताराम जैन, हरिशंकर गर्ग, बिरधी चंद जैन मालपुरा, भागचंद जैन परवण मालपुरा,पदम जैन पीपलू वाले निवाई, तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित सभी पदाधिकारी गण श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

वर्षा से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र की आगनवाड़ी के 30 बच्चो के लिए गणवेश की सेवा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन मधु अतुल पाटनी एवम अन्य भामाशाहों के सहयोग से अलवर गेट अजमेर का स्लम एरिया गुर्जर बस्ती में स्थापित आंगनवाडी जहा अजमेर में हो रही अत्यधिक बारिश से प्रभावित क्षेत्र है में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले 30 जरूरतमंद परिवार के नन्हे मुन्ने बच्चो के लिए गणवेश की सेवा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता डोली दरबार,आशा सहयोगिनी दिनेश्वरी कुमारी को सौंपी। जिसे बच्चो के अभिभावकों एवम स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओ के सम्मुख बच्चो के मध्य वितरण की गई। अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में एवम स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता गायत्री वर्मा के अनुरोध पर सेवा प्रदान की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष रूपेश राठी,लायन अतुल पाटनी,लायन मधु पाटनी,गायत्री वर्मा एवम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चो के परिवार के सदस्य मोजूद रहे।

महावीर नगर महिला मंडल द्वारा 'तलाश जारी है' नाटक का प्रस्तुतीकरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर नगर महिला मंडल द्वारा 10 सितंबर को दशलक्षण पर्व के उपलक्ष्य में महावीर नगर जैन मंदिर में महिला मंडल की नार्थ ईकाई द्वारा एक बहुत ही उत्कृष्ट समाजिक समस्या पर आधारित नाटक तलाश जारी है का आयोजन किया गया। नाटक की डायरेक्टर शिखा जैन के सानिध्य में इन कलाकारों के द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। निकिता,पूर्णिमा, बरखा, निर्मला, मीना, दीपिका, एकता, गरिमा, विनिता, शिखा, अर्पिता, पिंकी, कोमल, आशा, आरती सहयोगी रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरीश रेणु धाड़ूका एवम राजेन्द राजमती पांड्या, सुलोचना सेठी थे। सोलंकी कमेटी के अध्यक्ष अनिल जैन एवं मंत्री सुनील भजने शानदार प्रस्तुति के लिए महिला मंडल की अध्यक्ष सुशील मोदी का एवं मंत्री रीना पांडे का आभार व्यक्त किया।

पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का जन्म वर्ष वर्धन 75वा हीरक जयंती भक्ति भावपूर्वक मनाया गया

वात्सल्य वारिधि स्वागत द्वार का लोकार्पण हुआ

पारसोला, राजस्थान. शाबाश इंडिया

पंचम पट्टादिश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 75 व जन्म वर्ष हीरक जयंती पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ श्यामा वाटिका पारसोला में मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल आचार्य श्री की गुरु वंदना सभी साधुओं ने भक्ति भावपूर्वक परिक्रमा लगाकर की। साबला रोड पारसोला में 35 लाख की लागत से जैन युवा संगठन कुवैत द्वारा निर्मित वात्सल्य वारिधि स्वागत द्वार का लोकार्पण अतिथियों ने किया। प्रातः कालीन सभा सन्मति भवन में आयोजित की गई जिसमें आचार्य वर्धमान सागर जी ने उत्तम धर्म की विवेचना की।दशलक्षण पर्व अनादिनिधन है प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सरलता रिजुता होना चहिए।आहारचार्य के पश्चात दोपहर को भव्य जुलूस आचार्य संघ के सानिध्य में श्यामा वाटिका पहुंचा सन्मति भवन से नगर के अनेक मार्गों पर फ्लेक्स बैनर और सजीव झांकियां लगी थी , जिसमें आचार्य वर्धमान सागर जी के 75 वर्ष के जीवन चरित्र को दशार्या गया । जिसकी लोगों ने भूरी भूरी प्रशंसा की सजीव चित्रण प्रभावकारी थे। जुलूस में आगे पंजाब का बैंड अपने मनमोहक नृत्य के द्वारा आभा भी बिखेर रहा था जुलूस का समापन श्यामा वाटिका में हुआ जहां पर राजेंद्र कटारिया अहमदाबाद, राजेश बी शाह मुंबई ने ध्वजारोहण किया। आचार्य संघ के मंचासिन होने के बाद बाहर से पधारे जन्म भूमि सनावद सहित अन्य नगरों से पधारे अतिथियों ने आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुशील कारवां उदयपुर परिवार द्वारा मंगल कलश स्थापना की गई।आचार्य शांति सागर जी एवं पूर्वाचार्यों के चित्रों का अनावरण कर दीप प्रज्वलन ब्रह्मचारी गज्जू भैया,सनावद से पधारे पारस पंचोलिया ,राजेंद्र कटारिया अहमदाबाद, मणिंद्र जैन देहली, प्रकाश बड़जात्या चेन्नई,संजय पापड़ीवाल किशनगढ़, मन्नालाल सांसद उदयपुर राकेश सेठी कोलकाता सुरेश सबलावत जयपुर ,राजेश बी शाह मुंबई,सुशील कारवा उदयपुर,पंडित हंसमुखजी आदि गणमान्य लोगों ने किया इन्होंने आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन ओर जिनवाणी भेंट का सौभाग्य भी प्राप्त किया । जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष जैन समाज तथा ऋषभ पचोरी अध्यक्ष वषायोग समिति अनुसार आचार्य श्री शान्तिसागर जी पर मुनि श्री हितेंद्र सागर जी द्वारा रचित ओर गायन भजन का लोकार्पण हुआ। आचार्य श्री के 75 वर्षीय व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अनेक विद्वानों ने अपनी भावांजलि प्रस्तुत की जिसमें मुख्य अतिथि राजेंद्र कटारिया , मणिंद्र जैन संजय पापड़ीवाल, भरत जैन इंदौर ,पारस पंचोलिया सनावद, पंडित कीर्ति पारसोला आदि प्रमुख रहे। प्रकाश बड़जात्या चेन्नई ने महासभा की और से 51 प्रथमाचार्य शांति सागरजी प्रतिमा

लगाने की घोषणा की।आर्यिका प्रणीत मति, आ पद्म यश ,चैत्य मति, मुनि,प्रणीत सागर ,मुमुक्षु सागर प्रबुद्ध सागर ,चिन्तन सागर ,हितेंद्र सागर चिन्मय सागर जी ने आचार्य श्री का गुणानुवाद भाव विभोर होकर किया। धरियावद से मुनिश्री पुण्य सागर जी की विनयांजलि भावांजलि पत्र सुनाया गया। इस अवसर पर प्रथमाचार्य शांतिसागर आचार्य पदप्रतिष्ठा शताब्दी महोत्सव पूजन के अनेक पदों के लिए अनेकों सौभाग्यशाली परिवार ने अपनी स्वीकृति दी। नगर के अविवाहित लड़के लड़कियों ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ समक्ष परिवार की अनुमति से जैन समाज में विवाह करने का संकल्प लिया।सैकड़ों दीपकों से आचार्य श्री की आरती हुई।

राजेश पंचोलिया इंदौर

'धरि हिरदे संतोष, करहु तपस्या देह सो शौच सदा निर्दोष धर्म बड़ो संसार में': प्राचार्य सतीश

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म विधान की पूजन की गई।इस अवसर पर प्राचार्य सतीश जैन ने शौच धर्म पर प्रकाश डालते हुए लोभ को सबसे बड़ा पाप बताया। लोभ को सारे पापों का बाप बताया। आज श्री पुष्पदंतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया गया एवं सामूहिक निर्वाण लड्डू भी चढ़ाया गया। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज के पूजन स्थापना, आरती के पुनयार्जक, दीप प्रजवलन कर्ता एवं श्री भक्तामर मंडल विधान के पुण्यार्जक अनिल , बबीता , सिद्धार्थ, त्रिशला एवं धूआ वाले क्रॉसलैंड परिवार रहा।सांयकाल में रिद्धि सिद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय श्री भक्तामर मंडल विधान का शानदार आयोजन किया गया।इस आयोजन में संगीतकार नरेंद्र जैन एंड पार्टी रहे।

एक अंतर्यात्री की यात्रा पर सजेगी भव्य सजीव झांकी, पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगंध दशमी के पावन अवसर पर प्रताप नगर सेक्टर 17 स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सजीव झांकी सजेगी। झांकी की मुख्य संयोजिका राखी जैन एलकारो ने बताया कि यह सजीव झांकी आचार्य विद्यासागर के जीवन पर आधारित होगी। इस झांकी का मुख्य आकर्षण गौशाला, हथकरघा, कुंडलपुर की यात्रा एवम अंतर्यात्री की महासमाधि होगा। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन आज मुनि प्रमण्य सागर के समक्ष मानसरोवर मीरा मार्ग स्थित जैन मंदिर में किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश अजमेरा, महेश जैन, अशोक दीवान, ज्ञान चंद जैन, सुरेंद्र बड़जात्या एवम जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज उपस्थित थे।

महावीर जी की 38 वीं पदयात्रा के पोस्टर का हुआ विमोचन

27 सितम्बर को जयपुर से रवाना होगी पदयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म प्रभावना एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों तथा अहिंसा, शाकाहार के प्रचार प्रसार में पदयात्राओं की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये कथन भट्टारक जी की नसियां में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल ने श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर द्वारा आयोजित जयपुर से श्री महावीर जी की 38 वीं पदयात्रा के बहुरंगीय पोस्टर के विमोचन के मौके पर व्यक्त किए। इससे पूर्व 38 वीं पदयात्रा के पोस्टर का जयकारों के बीच विमोचन किया गया। संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा के संयोजक भाग चन्द गोधा के नेतृत्व में श्री दिगंबर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से श्री महावीर जी की 27 सितम्बर को जाने वाली पदयात्रा के बहुरंगीय पोस्टर के विमोचन के इस मौके पर संघ के संरक्षक सुभाष चंद जैन, पदयात्रा के संयोजक भाग चन्द गोधा , पूर्व संयोजक सुरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा,अमर चन्द दीवान 'खोराबीसल ', राजेंद्र जैन ''मोजमाबाद'', राज कुमार बडजात्या, विनोद जैन 'कोटखावदा', सह संयोजक मोना जैन, विक्रम पाण्डया आदि उपस्थित थे। पोस्टर विमोचन के मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। पद यात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि पदयात्रा शुक्रवार 27 सितम्बर को आगरा रोड पर खानिया स्थित संघी जी की नसिया से दोपहर 3.00 बजे प्रस्थान करेगी। पदयात्रा मार्ग में धार्मिक आयोजन किये जायेंगे पदयात्रा में महिलाएं भी शामिल होगी। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि पदयात्रा 28 सितम्बर को मोहनपुरा,29 सितम्बर को दौसा,30 सितम्बर को सिकन्दरा,01 अक्टूबर को गुढ़ाचंद्रजी,नादौती होते हुए बुधवार,02 अक्टूबर को श्री महावीर जी पहुंचेगी।

महिला जागृति संघ द्वारा नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

दीपिका बाकलीवाल प्रथम और द्वितीय स्थान पर ज्योति और मानसी रही

जयपुर. शाबाश इंडिया

दसलक्षण पर्व के अवसर पर महिला जागृति संघ द्वारा बड़े दीवान जी के मंदिर मणिहारो का रास्ता में आज नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। संयोजक बेला जैन, राजकुमारी सोगानी और कुसुम ढोलिया ने बताया कि नृत्य प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया । संस्था सचिव बेला जैन ने बताया कि नृत्य की प्रतियोगिता में दो ग्रुप रखे गए थे इनमें पहले ग्रुप 20 से 35 आर आयु वर्ग ऐसा दूसरे ग्रुप में 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग रखा गया। पहले वर्ग में दीपिका बाकलीवाल प्रथम और द्वितीय स्थान पर ज्योति और मानसी रही। दूसरे वर्ग में प्रार्थना जैन प्रथम स्थान पर और द्वितीय स्थान पर भव्यी जैन रही। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महिला जागृति संघ द्वारा दस लक्षण पर्व पर मंदिर प्रांगण में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं । गुरुवार को धार्मिक हाउजी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी ।

कमल नानूवाला को मिला समाज रत्न

जयपुर। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के द्वारा बुधवार को एमआई रोड स्थित राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स भवन में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर से कमल नानूवाला को समाज रत्न से सम्मानित किया गया। नानूवाला को रक्तदान के क्षेत्र में विशेष योगदान देने पर 29 मई को राजस्थान के महामहिम राज्यपाल द्वारा राजभवन में भी सम्मानित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय आपदा कोरोना काल में सराहनीय सेवा कार्य के कारण प्रादेशिक, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय 100 से अधिक संस्थाओं ने नानूवाला को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया था। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भी राज्य सरकार की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि नानूवाला सामाजिक और धार्मिक सहित अनेक संस्थाओं में अपनी सक्रिय सहभागिता के साथ विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के अध्यक्ष और कार्यक्रम के सह संयोजक भगवान गट्टानी, परमार्थ और आध्यात्मिक समिति के मुख्य संरक्षक और कार्यक्रम के संयोजक आर.के. अग्रवाल, राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष अभय नाहर और परमार्थ और आध्यात्मिक समिति के अध्यक्ष श्याम विजय सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भक्ति भाव से मनाया अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का 49वां अवतरण दिवस

हजारों दीपकों से की महाआरती, पूरे देश से शामिल हुए श्रद्धालु, मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में आयोजित स्व धर्म साधना शिविर में उमड़े श्रद्धालु, मनाया उत्तम शौच धर्म...

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का 49 वां अवतरण दिवस बुधवार 11 सितम्बर को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर मुनि श्री की हजारों दीपकों से महाआरती की गई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मानसरोवर के गौखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 में बनाये गये विशाल सभागार में दोपहर 2.00 बजे से आयोजित इस विशाल आयोजन में मंगलाचरण के बाद आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं नवाचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात 49 श्रावक श्रेष्ठी परिवारों द्वारा जयकारों के बीच चांदी के बर्तनों में मुनि श्री के पाद पक्षालन किये। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मुनि श्री को सिर पर जिनवाणी रखकर शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया । इस मौके पर समाजश्रेष्ठी उत्तम चन्द पाटनी, प्रदीप चूडीवाल, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, सुभाष बज, विनय सोगानी, पारस कासलीवाल, सुधीर कासलीवाल ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के नेतृत्व में सायंकाल हजारों दीपकों से मुनि श्री की संगीतमय महाआरती की गई। आरती के लिए स्वधर्म शिविर में बैठे हुए सभी श्रद्धालु अपने अपने घरों से दीपक लेकर आये । महिला मण्डल की सदस्याऐ भक्ति में झूम उठी। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, कार्यकारिणी सदस्य अशोक छाबड़ा, अशोक गोधा, अरुण श्रीमाल, एडवोकेट राजेश काला, विजय झांझरी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। इससे पूर्व मीरामार्ग के सैक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व मनाया गया। । इस मौके पर दस दिवसीय स्व धर्म शिविर के चौथे दिन प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक उत्तम शौच धर्म पर अर्हं योग एवं ध्यान करवाया गया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि शिविर में प्रातः 5.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आत्म साधना के साथ पूजा भक्ति के विशेष आयोजन किये गये। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा के अनुसार इस मौके पर उत्तम शौच पर अपने प्रवचन में आचार्य श्री ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोभ का जीवन में त्याग करने से ही इस जीवन का भला हो सकता है। शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ जिसमें सौधर्म इन्द्र इन्दर, महेश, अशोक, राजेन्द्र, अंकुर, अरिहंत, नमन, संभव, कविश, अधिराज, क्रियांश, आगत एवं समस्त बाकलीवाल परिवार अशोका इलेक्ट्रिकल्स वालो को मिला। कुबेर इन्द्र प्रेम देवी, पारस, राजीव, संजय कासलीवाल कुम्हेर वाले, चक्रवर्ती छुट्टन देवी सुशील पहाड़िया ने सौभाग्य प्राप्त किया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में तत्वार्थ सूत्र के चौथे अध्याय के मर्म को समझाया। मुनि श्री ने जयकारों के बीच पूजा में अर्घ्य समर्पित करवाये। इससे पूर्व धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन किये गये। सायंकाल प्रश्न मंच, आरती, प्रतिक्रमण पाठ के बाद आध्यात्मिक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध कवि अजय अहिंसा सहित सभी कवियों ने आचार्य श्री के गुणगान किये। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि गुरुवार 12 सितम्बर को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के दौरान उत्तम सत्य धर्म मनाया जाएगा इस मौके पर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक अर्हं योग ध्यान, 7 बजे से श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, तत्वार्थ सूत्र विधान होगा। प्रातः 9.00 बजे मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें ।दोपहर में 1.30 बजे से धर्म की कक्षा, तत्वार्थ सूत्र प्रवचन, दशम धर्म कक्षा, सायंकाल 6.00 बजे से प्रश्न मंच, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम होगें।

मोक्ष कल्याणक मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों की ओर से बुधवार को जैन धर्म के नवें तीर्थंकर भगवान पुष्पदन्त का मोक्ष कल्याणक श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जैन धर्मावलंबियों की ओर से प्रातः मंदिरों में कलशाभिषेक, शांतिधारा व अष्ट द्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना की गई व निर्वाण मोदक चढ़ाया गया।

दशलक्षण महापर्व के दौरान मनाया वीतराग धर्म का उत्तम शौच लक्षण

गुरुवार 12 सितम्बर को मनाया जावेगा वीतराग धर्म का उत्तम सत्य लक्षण-दिगम्बर जैन मंदिरों होगें विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में चौथे दिन वीतराग धर्म का उत्तम शौच लक्षण भक्ति भाव से मनाया गया। कई स्थानों पर उत्तम सत्य धर्म भी मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठे। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। संतों एवं विद्वानों ने उत्तम शौच लक्षण पर प्रवचन दिया जिसमें बताया गया कि शौच मतलब पवित्रता, शुचिता, आत्मा की शुद्धि। लोभ पाप का बाप है। लोभ का विसर्जन आवश्यक है। सन्तोषी प्राणी हमेशा सुखी रहता है। आत्मा के कल्याण के लिए मन से कषाय को बाहर निकालना जरुरी है। श्री जैन ने बताया कि विद्वानों में मत भिन्नता के कारण कई स्थानों पर धर्म का उत्तम सत्य लक्षण मनाया गया तथा उत्तम सत्य धर्म की पूजा की गई। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि गुरुवार को वीतराग धर्म का उत्तम सत्य लक्षण मनाया जाएगा। कई स्थानों पर वीतराग धर्म का उत्तम शौच लक्षण मनाया जाएगा।

ज्ञानतीर्थ टोडरमल स्मारक भवन में दशलक्षण महापर्व का चौथा दिन

लोभ को कहा है पाप का बाप: सुमतप्रकाश जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर के बैनर तले बापू नगर स्थित ज्ञानतीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में चल रहे दशलक्षण महापर्व के चौथे दिन सोमवार को उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई। इस मौके पर हुए दशलक्षण विधान के दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। 17 सितम्बर तक मनाए जाने वाले इस महापर्व में दशलक्षण विधान,विद्वानों के प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अनेक आयोजन हो रहे है। महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि आज सुबह श्रीजी के अभिषेक के बाद पर साजों के बीच दशलक्षण विधान हुआ। इस दौरान वीरा प्रभु के ये बोले...रंग लाग्यो महावीर थारो रंग लाग्यो... जैसे भजनों की स्वर लहरियों के बीच वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए विश्व सविख्यात बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जैन, खनियाधाना ने उत्तम शौच के बारे में समझाते हुए कहा कि शौच धर्म का अर्थ है कि आत्मा में लोभ का अंकुर फूटे, उससे पहले ही उसे मिटा डालना। लोभ की दुर्गंध को समाप्त करना ही उत्तम शौच धर्म है। उत्तम शौच का तात्पर्य मनुष्य के लोभ की प्रवृत्ति से है। लोभी मनुष्य लोभ के वशीभूत होकर हर प्रकार का पाप करता है। लोभी-लालची प्रवृत्ति मनुष्य को हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह रूपी पांचों पापों के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने आगे कहा कि पैसे का

लोभी व्यक्ति सदा जोड़ने में लगा रहता है। भोगने का उसे समय नहीं मिलता। पशुओं की चिंता पेट भरने तक ही होती है। लेकिन मनुष्य की समस्या मात्र पेट भरने तक ही सीमित नहीं रहती है। वह पेट भरने के चक्कर में सदा असंतुष्ट बना रहता है। उन्होंने चार प्रकार के लोभ की चर्चा की और कहा कि भोग, उपभोग, जीवन एवं इंद्रियों के विषयों का इस प्रकार लोभ चार प्रकार का होता है। इन चारों प्रकार के लोभ के त्याग का नाम ही शौच धर्म है। लोभ कषाय को दूर करना है, क्योंकि लोभ कषाय ही क्रोध, मान, माया, कषाय की जड़ है तथा लोभ को पाप का बाप कहा है। इसीदिन साम को डॉ. शांतिकुमार पाटील के प्रवचन हुए और इसके बाद रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि 13 सितम्बर को सुगंध दशमी के अवसर पर भव्य झांकी सजाई जाएगी व 18 सितम्बर को क्षमावाणी कार्यक्रम व त्यागी व्रतियों का सम्मान किया जाएगा।

चतुर्दशम वार्षिकोत्सव 29 को, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री श्याम सलौना रंगीला मंडल के बैनर तले 14वां वार्षिकोत्सव आगामी 29 सितम्बर को झोटवाड़ा,निवारू रोड स्थित नेताजी की चक्की पर आयोजित किया जाएगा। इस वार्षिकोत्सव के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आज खासा कोठी स्थित पर्यटन भवन में किया। इस मौके पर वार्ड-19 पार्षद बाबूलाल शर्मा,वार्ड-28 की पार्षद दुर्गेष नंदिनी,महिपाल यादव, रवि खांडल,राम कुमावत, पवन माहेष्वरी, देवराज,महावीर यादव,नारायण सोनी, अंकुर गुप्ता,रवि सैनी, सीताराम यादव,मुकेष सैनी सहित मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंडल से जुड़े महिपाल

यादव ने बताया कि दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के महंत व विधायक बालमुकुंदाचार्य,खाटूधाम मंदिर के महंत शक्ति सिंह चौहान व श्री कृष्ण दास जी महाराज राम कुटिया वाले के पावन सानिध्य में होने वाले इस वार्षिकोत्सव की मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी होंगी।

नाग का हार लघु नाटिका का मंचन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर सेक्टर 8 में चातुर्मासरत उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी महाराज के सानिध्य में जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा नाग का हार लघु नाटिका का मंचन किया गया। ज्योती जैन बावड़ी ने बताया कि पाठशाला के बच्चों द्वारा लघु नाटिका की प्रस्तुति दी गई जिसमें दिखाया गया की नियम पर अटूट श्रद्धा रखने से उसका हमें कितना बड़ा पुण्य मिलता है यही नाटिका के माध्यम से बताया गया की रात्रि में जल पान नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर चातुर्मास मंदिर अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी, मुख्य

संयोजक जिनेन्द्र जैन जीतू, युवा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चंद जैन, समाजसेवी पुरण गंगवाल चौरू,बाबू लाल जैन ईटूडां, प्रमोद जैन बावड़ी, मनीष जैन टोरडी,पारस जैन, अनुश्री जैन, ममता गंगवाल, अनीता जैन ईटूडां सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे वहीं कार्यक्रम के समापन पर उपाध्याय श्री ने पाठशाला के बच्चों को मंगल आशीर्वाद दिया। मंच संचालन मनीष जैन टोरडी ने किया।

एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स के प्रतिनिधि मंडल ने सीजी एस टी के चीफ कमिश्नर से मिलकर सौंपा ज्ञापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स राजस्थान और टीसीए का प्रतिनिधि मंडल ने एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट विनोद पाटनी और महासचिव एडवोकेट उमराव सिंह यादव के नेतृत्व में सीजीएस टी के चीफ कमिश्नर चेतन कुमार जैन से मुलाकात कर उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया साथ ही जीएसटी रजिस्ट्रेशन में आ रही विकट समस्याओं तथा अन्य परेशानियों के निराकरण हेतु ज्ञापन दिया। प्रतिनिधि मंडल में एडवोकेट विनोद पाटनी , एडवोकेट उमराव सिंह यादव, सी ए शैलेन्द्र अग्रवाल, एडवोकेट राम चंद्र यादव, एडवोकेट विष्णु भारद्वाज, एडवोकेट मुजाहिद अख्तर तथा सी ए मुकेश शर्मा शामिल रहे। मुख्य आयुक्त चेतन कुमार जैन ओको सभी प्रतिनिधियों ने रजिस्ट्रेशन में आ रही अविधिक समस्याओं के बारे मे अवगत कराया। रजिस्ट्रेशन में अनावश्यक विलंब तथा अनावश्यक क्यूरी व दस्तावेज वगैरह के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बड़े ध्यानपूर्वक सभी समस्याओं को सुना और उचित समाधान कराने का विश्वास दिलाया।

बगड़ी में ब्रजबाहु का वैराग्य नाटक का मंचन हुआ

बगड़ी, पीपलू. शाबाश इंडिया

दशलक्षण महापर्व के चलते जैन समाज द्वारा विजयगढ़ जैन मंदिर बगड़ी में चल रहे जैन दशलक्षण पर्व पर सत्य धर्म की पूजा की गई। दीपक जैन लक्की जैन ने बताया कि संध्या में महाआरती करने का सौभाग्य पुरण मल सुरेश चंद राकेश कुमार दीपक कुमार दिलीप कुमार जिनेन्द्र जैन कंसल परिवार को प्राप्त हुआ तत्पश्चात महिला मंडल द्वारा ''ब्रजबाहु का वैराग्य'' नाटक का मंचन किया गया जिसमें ब्रजबाहु का वैराग्य दिखाया गया। इस दौरान सोनू भैया ने जिनवाणी का पाठ किया। कार्यक्रम में लक्की ड्रा के विजेता पवन जैन रहे। इस अवसर पर लालचंद जैन छीतर मल कजोड़ मल, रामस्वरूप जैन पूरण मल, कमलेश जैन,पदम मेडिकल, मोहन जैन, बुद्धि जैन, सुरेश जैन,महावीर टोंग्या, ज्ञान चंद, दिनेश बोहरा, टीकम जैन आशीष जैन आदि समाजजन मौजूद रहे।

दशलक्षण महापर्व का चौथा दिनः वीतराग धर्म का उत्तम शौच लक्षण भक्ति भाव से मनाया

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में चौथे दिन वीतराग धर्म का उत्तम शौच लक्षण भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर कस्बे सहित आसपास के दिगम्बर जैन मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठे। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। संतों एवं विद्वानों ने उत्तम शौच लक्षण पर प्रवचन दिया जिसमें बताया गया कि शौच मतलब पवित्रता, शुचिता, आत्मा की शुद्धि। लोभ पाप का बाप है। लोभ का विसर्जन आवश्यक है। सन्तोषी प्राणी हमेशा सुखी रहता है। आत्मा के कल्याण के लिए मन से कषाय को बाहर निकालना जरुरी है। श्री जैन के मुताबिक शुक्रवार 13 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी इस दिन मंदिरों में श्रद्धालुगण अष्ट कर्म के नाश करने के लिए अग्नि पर धूप खेवेगे। मंदिरों में ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई जाएगी। कोषाध्यक्ष पंकज वैद एवं प्रचार मंत्री अमन जैन कोटखावदा के अनुसार कोटखावदा के बडाबास स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं मंत्री दीपक वैद के नेतृत्व में दशलक्षण महापर्व मनाया गया जिसमें प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद धर्म के उत्तम शौच लक्षण की पूजा की गई। सायंकाल महाआरती के बाद णमोकार महामंत्र के जाप, आदिनाथ चालीसा तथा 48 दीपकों से ऋद्धि मंत्रों से युक्त भक्तामर स्तोत्र महाअर्चना की गई। इस मौके पर मेघना, रिया जैन ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात श्रीफल पासिंग धार्मिक गेम खिलाया गया। रात्रि में रियांशी जैन के निर्देशन में उत्तम शौच धर्म पर नाटक की प्रस्तुति दी गई।

लोभी-जो है उसमें कभी तृप्त नहीं होता : श्रमण श्री विशल्यसागर जी

शाबाश इंडिया

आत्मा की शुचिता का, स्वच्छता का , निर्मलता का होना ही शौच धर्म है। यह धर्म लोभ के अभाव में प्रगट होता है, क्योंकि लोभ समता का शत्रु है , अधैर्य का मित्र है , मोह का विश्राम स्थल है , पापों की खान है, समस्त आपत्तियों का स्थान है , खोटे ध्यान का क्रीड़ा वन है, व्याकुलता का भण्डार है, शोक का जन्मदाता है , कलह का स्थान है । संसार में मनुष्य लोभ के कारण ही अनेक दुःखों को सहन करता है, पाप करता है, इसके वशीभूत इंसान को तृष्णा सदा सताती है। इसलिए उसकी इच्छा तमन्ना कभी पूरी नही होती , क्योंकि यह तृष्णा अग्नि के समान है, जितना इसमें ईधन डालो उतना ही यह भड़क उठती है , उसी प्रकार लोगों को कितनी भी सामग्री मिले फिर वह जाग्रत हो जाती है और वह आकांक्षा से भरकर अनेक मकान , दुकान , जमीन , जायदाद, हीरे, जवाहारात , फैक्ट्री , एजेन्सियों को भी लेकर तृप्त नही होती और आदमी को निरंतर दौड़ाती रहती है। आज का आदमी इसलिए दुःखी नहीं की उसे पेट भरकर नही मिल रहा अपितु इसलिए दुःखी है कि आवश्यकता से अधिक खा रहा है, संग्रह कर रहा है पेट को भूल गया पेटी के पीछे पड़ गया , दो कर पर विश्वास नहीं नौकर पर विश्वास करता है, जबकि दोकर पेट भरने के लिए पर्याप्त है नौकर पेटी भरने के लिए भी पर्याप्त नहीं है, क्योंकि मन उसे भरने नही देता । इसलिए तो कहा है -

तन की भूख तनिक है एक पाव या सेर ।
मन की भूख अपार है चाहे मिले सुमेर।

लोभी को सुमेरू पर्वत के बराबर भी सोने का पहाड़ मिल जाए तो भी वह तृप्त नहीं होगा। जबकि पेट भरने के लिए दो रोटी पर्याप्त है। आदमी की सबसे बड़ी कमजोरी है कि जो नही है उसे पाना चाहता है जो है उसी में तृप्त नहीं होता। यही कारण है कि उसकी आत्मा अपवित्रता की खानी होती जा रही है। वास्तव में मनुष्य की तृष्णा कभी शान्त नहीं होती वह कितना भी संग्रह करता जाए सदा अतृप्त और दुःखी ही रहता है। **प्रेषक विशाल पाटनी**

क्षमा वीरस्य भूषणम् !

शाबाश इंडिया
दैनिक ईपेपर

क्षमावाणी पर्व के पावन अवसर पर
बुधवार 18 सितम्बर को प्रकाशित होगा विशेषांक

क्षमा याचना का संदेश
शाबाश इंडिया
में प्रकाशित करवाकर
ह्रदय से क्षमायाचना करें

क्षमावाणी संदेश के लिए संपर्क करें
राकेश गोदिका
सम्पादक एवं प्रकाश
94140-78380
92140-78380